कथिड्रल एण्ड जॉन कॉनन स्कूल

प्रिलिमनरी परीक्षा – वर्ष 2019

विषय–हिन्दी–कक्षा–दसवीं | 11-01-2019 | कुल पृष्ठ – 6

समय – 3 घंटे | कुल अंक – 80

सूचना : इस प्रश्न पत्र में दो विभाग हैं (अ) तथा (ब)। विभाग (अ) में से सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। विभाग (ब) में से किन्हीं चार प्रश्नों को कीजिए।

प्र 1) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में एक प्रस्ताव लिखिए : (15)

क) शैक्षणिक यात्राएँ केवल मनोरंजन का माध्यम ही नहीं अपितु हमारी शिक्षा का भी एक अभिन्न अंग हैं! अपने विद्यालय द्वारा आयोजित की गई ऐसी ही किसी एक स्थान की शैक्षणिक यात्रा का वर्णन विस्तार में करते हुए, उन स्थानों का ऐतिहासिक व सांस्कृतिक महत्त्व लिखिए। आपने इस अनुभव द्वारा क्या सीख प्राप्त की?

ख) 'आज हमारे समाज में नारी उपेक्षित नहीं है।' इस कथन के पक्ष अथवा विपक्ष में अपने विचार उचित उदाहरणों सहित लिखिए।

ग) आधुनिक युग में विवाह समारोहों पर अंधाधुंध खर्च किया जाने लगा है। आपने भी हाल ही में एक ऐसा विवाह समारोह देखा जहाँ अत्याधिक खर्च किया गया। समारोह का विस्तार में वर्णन कीजिए। आपके अनुसार ऐसे समारोहों का समाज पर क्या दुष्प्रभाव पड़ता है और वहाँ पर किए गए किन – किन खर्चो को किस प्रकार कम किया जा सकता था, विस्तार में लिखिए।

घ) निम्नलिखित पंक्ति से समाप्त करते हुए एक मौलिक कहानी लिखिए :
'संतोषी व्यक्ति ही सदा सुखी रहता है।'

ङ) नीचे दिए गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

Scanned by CamScanner

Thakur Villag...
Mumbai - 400 101.
Mob. 9821263050.

(7)

प 2) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए ः

भारत देश पवित्र नदियों का देश है परंतु आज हमारे देश में नदियों का अस्तित्व खतरे में पड़ता जा रहा है। इस समस्या पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए किसी अखबार के संपादक को पत्र लिखिए। इस समस्या के कारणों पर प्रकाश डालते हुए बताइए कि नदियाँ हमारे जीवन के लिए क्यों आवश्यक हैं? इन्हें बचाने के लिए अपनी ओर से कुछ सुझाव दीजिए।

अथवा

आपका मित्र जीवन में आने वाली छोटी-छोटी मुश्किलों से निराश हो जाता है। जीवन के प्रति उसका नज़रिया नकारात्मक होता जा रहा है। उसे जीवन की सच्चाइयों से अवगत कराते हुए, नकारात्मक सोच के दुष्परिणाम बताइए और उसे जीवन के हर पहलू पर सकारात्मक सोच अपनाने की सलाह देते हुए पत्र लिखिए।

प्र 3)निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर यथासंभव अपने शब्दों में लिखिए।

एक राजा का दरबार लगा हुआ था। सर्दियों के दिन थे, इसीलिये राजा का दरबार खुले में बैठा था। पूरी आम सभा सुबह की धूप में बैठी थी। महाराज के सिंहासन के सामने एक मेज़ रखी थी। पंडित, लोग, दीवान आदि सभी दरबार में बैठे थे। राजा के परिवार के सदस्य भी बैठे थे। उसी समय एक व्यक्ति आया और राजा से दरबार में मिलने की आज्ञा माँगी। प्रवेश मिल गया तो उसने कहा, मेरे पास दो वस्तुएँ हैं, बिलकुल एक जैसी लेकिन एक नकली है और एक असली, मैं हर राज्य के राजा के पास जाता हूँ और उन्हें परखने का आग्रह करता हूँ, लेकिन कोई परख नहीं पाता, सब हार जाते हैं और मैं विजेता बनकर घूम रहा हूँ। अब आपके नगर में आया हूँ।

राजा ने उसे दोनों वस्तुओं को पेश करने का आदेश दिया तो उसने दोनों वस्तुएँ मेज पर रख दीं। बिल्कुल समान आकार, समान रुप-रंग, समान प्रकाश, सब कुछ नख-शिख समान। राजा ने कहा, " ये दोनों वस्तुएँ एक हैं," तो उस व्यक्ति ने कहा, "हाँ दिखाई तो एक-सी देती हैं लेकिन है भिन्न। इनमें से एक है बहुत कीमती हीरा और एक है काँच का टुकड़ा, लेकिन रुप-रंग सब एक है। कोई आज तक परख नहीं पाया कि कौन-सा हीरा है और कौन-सा काँच? कोई परख कर बताये कि ये हीरा है या काँच। अगर परख खरी निकली तो मैं हार जाऊँगा और यह कीमती हीरा मैं आपके राज्य की तिजोरी में जमा करवा दूँगा, यदि कोई न पहचान पाया तो इस हीरे की जो कीमत है, उतनी धनराशि आपको मुझे देनी होगी। इसी प्रकार मैं कई राज्यों से जीतता आया हूँ।"

राजा ने कई बार उन दोनों वस्तुओं को गौर से देखकर परखने की कोशिश की और अंत में हार मानते हुए कहा- मैं तो नहीं परख सकूँगा। दीवान बोले- हम भी हिम्मत नहीं कर सकते, क्योंकि दोनों बिल्कुल समान हैं। सब हारे, कोई हिम्मत नहीं जुटा पाया। हारने पर पैसे देने पड़ेंगे,

Scanned by CamScanner

इसका किसी को कोई मलाल नहीं था क्योंकि राजा के पास बहुत धन था लेकिन राजा की प्रतिष्ठा गिर जायेगी, इसका सबको भय था। कोई व्यक्ति पहचान नहीं पाया। आखिरकार पीछे थोड़ी हलचल हुई। एक अंधा आदमी हाथ में लाठी लेकर उठा।

उसने कहा, मुझे महाराज के पास ले चलो, मैंने सब बातें सुनी हैं और यह भी सुना कि कोई परख नहीं पा रहा है। एक अवसर मुझे भी दो। एक आदमी के सहारे वह राजा के पास पहुँचा उसने राजा से प्रार्थना की- "मैं तो जनम से अंधा हूँ फिर भी मुझे एक अवसर दिया जाये जिससे मैं भी एक बार अपनी बुद्दि को परखूँ और हो सकता है कि सफल भी हो जाऊँ और यदि सफल न भी हुआ तो वैसे भी आप तो हारे ही हैं।"

राजा को लगा कि इसे अवसर देने में कोई हर्ज नहीं है और राजा ने उसे अनुमति दे दी। उस अंधे आदमी को दोनों वस्तुएँ उसके हाथ में दी गयीं और पूछा गया कि इनमें कौन-सा हीरा और कौन-सा काँच है? कहते हैं कि उस आदमी ने एक मिनट में कह दिया कि यह हीरा है और यह काँच। जो आदमी इतने राज्यों को जीतकर आया था, वह नतमस्तक हो गया और बोला सही है, आपने पहचान लिया। आप धन्य हैं। अपने वचन के मुताबिक यह हीरा मैं आपके राज्य की तिजोरी में दे रहा हूँ। सब बहुत खुश हो गये और जो आदमी आया था वह भी बहुत प्रसन्न हुआ कि कम से कम कोई तो मिला परखने वाला। राजा और अन्य सभी लोगों ने उस अंधे व्यक्ति से एक ही जिज्ञासा जताई कि, 'तुमने यह कैसे पहचाना कि यह हीरा है और वह काँच?'

उस अंधे ने कहा- सीधी सी बात है राजन, धूप में हम सब बैठे हैं, मैंने दोनों को छुआ। जो ठंडा रहा वह हीरा, जो गरम हो गया वह काँच। यही बात हमारे जीवन में भी लागू होती है, जो व्यक्ति बात-बात में अपना आपा खो देता है, गरम हो जाता है और छोटी से छोटी समस्याओं में उलझ जाता है वह काँच जैसा है और जो विपरीत परिस्थितियों में भी शांत, दृढ़ रहता है और बुद्धि से काम लेता है वही सच्चा हीरा है।

प्र 1) राजा का दरबार कहाँ लगा हुआ था? क्यों? वहाँ कौन-कौन उपस्थित था? (2)

प्र 2) बाहर से आए एक व्यक्ति ने राजा के सामने क्या चुनौती रखी? (2)

प्र 3) राज्य के प्रमुख व्यक्ति क्यों हार गए? वे सभी क्यों शर्मिंदा थे? (2)

प्र 4) अंत में किसने सही उत्तर दिया? कैसे? (2)

प्र 5) इस गद्यांश से प्राप्त कोई दो सीख लिखिए। (2)

AMBIKA BOOK DEPOT
Shop No. 1, Rangoli, Vasant Utsav, Thakur Village, Kandivali (E), Mumbai - 400 101.
Mob. 9821263050.

Scanned by CamScanner

प्र 4) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :-

1) किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए :- (1)

अमर, उत्थान, रोगी।

AMBIKA BOOK DEPOT
Shop No. 1, Rangoli, Vasant Utsav,
Thakur Village, Kandivali (E),
Mumbai - 400 101,
Mob. 9821263050

2) किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :- (1)

कमल, गंगा, अग्नि।

3) किन्हीं दो शब्दों से विशेषण बनाइए :- (1)

स्वर्ण, कर्तव्य, ग्राम।

4) किन्हीं दो शब्दों की वर्तनी शुद्ध कीजिए :- (1)

आदरनिय, कवित्री, विदुशी।

5) किसी एक मुहावरे का वाक्य में प्रयोग कीजिए :- (1)

घड़ों पानी पड़ जाना, चल बसना।

6) कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :-

1) यह वही लड़का है, जिसने गाली दी थी। (सरल वाक्य में बदलिए।) (1)

2) माँ ने पूजा की। (अपूर्ण वर्तमान काल में बदलिए।) (1)

3) कई जगहों पर <u>कानून के विरूद्ध</u> निर्माण हो रहे हैं। (रेखांकित शब्दों के लिए एक शब्द लिखकर, वाक्य फिर से लिखिए) (1)

Scanned by CamScanner

कक्षा - दसवीं | विभाग - ब | अंक 40
सूचना - इन दो पुस्तकों में से कुल चार प्रश्न कीजिए।

AMBIKA BOOK DEP
Shop No. 1, Rangoli, Vasant U
Thakur Village, Kandivali (E
Mumbai - 400 101.
Mob. 9821263050,

साहित्य सागर

1) "काकी सो रही हैं, उन्हें इस तरह उठाकर कहाँ लिए जा रहे हो?"

(पाठ - काकी- सियारामशरण गुप्त)

प्र 1) वक्ता कौन है? काकी को कौन, कहाँ और क्यों उठाकर ले जा रहे हैं? (2)

प्र 2) वक्ता पर इस घटना का क्या प्रभाव पड़ता है? स्पष्ट कीजिए। (2)

प्र 3) वक्ता ने चवन्नी की चोरी क्यों और किस प्रकार की? (3)

प्र 4) चोरी का पता चलने पर किसकी, क्या प्रतिकिया होती है? आपके अनुसार उसकी प्रतिकिया उचित थी या अनुचित, तर्क सहित स्पष्ट कीजिए। (3)

2) "मुझे तो तेरे दिमाग के कन्फ़्यूज़न का प्रतीक नज़र आ रहा है, बिना मतलब ज़िंदगी खराब कर रही है।"

(पाठ– दो कलाकार - मन्नू भंडारी)

प्र 1) वक्ता ने यह वाक्य कब और क्यों कहा? (2)

प्र 2) वक्ता और श्रोता का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनके स्वभाव में अंतर स्पष्ट कीजिए। (2)

प्र 3) वक्ता के अनुसार श्रोता किस प्रकार अपनी ज़िंदगी खराब कर रहा है? उसकी कला क्यों निरर्थक है? वक्ता उसे क्या सलाह देता है? (3)

प्र 4) 'कला' का सच्चा अर्थ बताते हुए लिखिए कि वक्ता अपने जीवन को किस प्रकार सार्थक करता है? (3)

3) "ओह संसार की विश्वासघात की ठोकरों ने मेरे हृदय को विक्षिप्त बना दिया है। मुझे उससे विमुख कर दिया है।"

(पाठ– संदेह - जयशंकर प्रसाद)

प्र 1) वक्ता का परिचय दीजिए। वह इस समय कहाँ और किसके साथ आया है? (2)

प्र 2) यह वाक्य वह कब कहता है? वक्ता की मानसिक दशा का वर्णन कीजिए। (2)

प्र 3) कौन, किससे, किस प्रकार की सहायता माँगता है? सहायता देने वाला व्यक्ति किस उलझन में पड़ा है? स्पष्ट कीजिए। (3)

प्र 4) 'संदेह' जीवन में किस प्रकार समस्याएँ पैदा करता है? यहाँ किसने संदेह का निराकरण, किस प्रकार किया? (3)

Scanned by CamScanner

Thakur Village,
Mumbai - 400 101.
Mob. 9821263050.

4) "घबराओ मत मैं जल्दी ही फिर आऊँगा और उस बार विदा अवश्य होगी, क्योंकि मैं चोट का मरहम लेकर आऊँगा।" (बहू की विदा– विनोद रस्तोगी)

प्र 1) वक्ता का परिचय देते हुए बताइए कि उसने यह वाक्य कब कहा? श्रोता क्यों घबराया हुआ है? (2)

प्र 2) यहाँ किस चोट की बात की जा रही है, स्पष्ट कीजिए। 'मरहम' से क्या तात्पर्य है? (2)

प्र 3) वक्ता किस प्रकार मरहम का इंतजाम करेगा? इससे हमारे समाज की कौन-सी समस्याएँ उभर कर आती हैं? (3)

प्र 4) एक बेटी के पिता को दूसरों की बेटी का दर्द कब समझ में आता है, एकांकी के उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए। इस एकांकी के द्वारा समाज में कौन-से परिवर्तनों को लाने का संदेश दिया गया है? (3)

5) "धन्य हैं ऐसे वीर धन्य हैं वह माँ जिसने ऐसे वीर पुत्र को जन्म दिया। धन्य है वह भूमि जहाँ पर ऐसे सिंह पैदा होते हैं।" (मातृभूमि का मान – हरिकृष्ण 'प्रेमी')

प्र 1) उक्त कथन के वक्ता का परिचय देते हुए बताइए कि यह एकांकी किस पृष्ठभूमि पर आधारित है? यहाँ किस 'भूमि' को धन्य कहा गया है? क्यों? (2)

प्र 2) वक्ता उस वीर की प्रशंसा क्यों कर रहा है? (2)

प्र 3) वक्ता इस समय कहाँ है? उसे यहाँ क्यों आना पड़ा? स्पष्ट कीजिए। (3)

प्र 4) 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी', इस कथन का क्या अर्थ है? यह कथन हमें क्या संदेश देता है, इस एकांकी के उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए। (3)

6) "तेरी यह सारी कूटनीति व्यर्थ है। अपने पापों के परिणाम से अब तू किसी भी प्रकार बच नहीं सकता।"

(महाभारत की एक साँझ– भारत भूषण अग्रवाल)

प्र 1) वक्ता कौन है? वह इस समय कहाँ है? श्रोता कौन-सी कूटनीति चल रहा है? क्यों? (2)

प्र 2) श्रोता ने कौन – से पाप किए थे? (2)

प्र 3) उसे उसके पापों का दंड किस प्रकार मिला, विस्तार में स्पष्ट कीजिए। (3)

प्र 4) महाभारत ग्रंथ के रचयिता का नाम बताते हुए लिखिए कि इस एकांकी में कौन-से दिन के युद्ध का वर्णन किया गया है? श्रोता के चरित्र पर प्रकाश डालते हुए बताइए कि इस एकांकी से हमें क्या क्या संदेश मिलते हैं? (3)

समाप्त

Scanned by CamScanner